साहित्य संहिता
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 06
June 2017

चाहता हूँ कुछ लिखूं

गिरिजा देवी

चाहता हूँ
कुछ लिखूं
एक कविता
ग़ज़ल या गीत
जो कर दे व्यक्त
हर दर्द
हर गम
जो करता है
हर वक्त
मेरी आँखें नम
चाहता हूँ
कुछ लिखूं
जिसे लिखने के बाद
न आयें वो याद
और मैं महसूस करूँ
अब नहीं है जरुरत
कुछ लिखने का

ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 06
June 2017

कुछ कहने का
कोई बात
कोई कविता
कोई ग़ज़ल
या गीत
मैं चाहता हूँ
कुछ लिखूं
ताकि
मेरे दिल का दर्द
बनके श्याही
निकल जाये कागज पर
और एक बार फिर
मैं खुद हस दूँ
अपना आसूं
अपने हाथों से पोछ दूँ